



Estd : 1962
NAAC 'A++' Grade
Accredited by NAAAC (2021)
With CGPA3.52

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR - 416 004 MAHARASHTRA

PHONE: EPBX - 2609000 FAX:0091-0231-2691533 & 0091-0231-692333

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर - ४१६ ००४ महाराष्ट्र

दूरध्वनी ईपीबीएक्स- २६०९००० संलग्नता टी-२ विभाग दूरध्वनी -०२३१ -

२६०९०९९संचालक,बी.सी.यु.डी. कार्यालय, दूरध्वनी : (थेट) ०२३१ - २६०९०७०

जा.क्र. संलग्नता/टी-२/परिपत्रक/ 256

दि. 2/11/2022

परिपत्रक

प्रति,

मा. प्राचार्य/संचालक,

सर्व संलग्नीत महाविद्यालये,

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

विषय:- Celebrate the Bharatiya Bhasha Diwas (Bharatiya Bhasha Utsav) on
11th December every year.....

संदर्भ:- मा. सचिव प्रो. रजनीश जैन, युजीसी, नवी दिल्ली यांचे जा.क्र.D.O.No.2-90/2022(CPP-II)

दि. २८/१०/२०२२ रोजीचे पत्र.

महोदय/महोदया,

उपरोक्त नमूद विषय व संदर्भास अनुसरून आपणास आदेशान्वये कळविण्यात येते की, सोबत जोडण्यात आलेले पत्र अवलोकनी घेवून सर्व महाविद्यालयांनी दरवर्षी भारतीय भाषा दिवस दि. **11th December, 2022** रोजी साजरा करण्याबाबत तात्काळ कार्यवाही करावी ही विनंती.

कळावे.

आदेशान्वये

श्री एम. पी. कदम

उपकुलसचिव

संलग्नता टी-२ विभाग

सोबत:- वरीलप्रमाणे.



प्रो. रजनीश जैन
सचिव

Prof. Rajnish Jain
Secretary



विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
University Grants Commission

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
(Ministry of Education, Govt. of India)

बहादुरशाह जफ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002
Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002

Ph.: 011-23236288/23239337

Fax : 011-2323 8858

E-mail : secy.ugc@nic.in

D.O.No.2-90/2022 (CPP-II)

October, 2022

Respected Madam/Sir,

28 OCT 2022

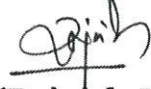
As you are aware, the National Education Policy-2020 emphasizes on promoting projects/activities for students where they can learn about the unity of most of the major Indian languages, starting with their common phonetic scripts, their common grammatical structures, their origins and sources of vocabularies from Sanskrit and other classical languages, as well as their rich inter-influences and differences. There is a need to create 'language harmony', to develop conducive environment for learning more and more Indian languages apart from mastering one's own mother tongue, and an attitude and aptitude to love and enjoy the 'neighbouring language'. Learning/speaking another Indian language should be made a fashion/matter of joy and cherishing experience.

To catalyse this enthusiasm, Bharatiya Bhasha Samiti, Ministry of Education, Govt. of India has proposed to observe 11th December as Bharatiya Bhasha Diwas (Bharatiya Bhasha Utsav) on occasion of Janm Jayanti of great Tamil poet Subramania Bharati. A Concept Note is also attached for celebrating the Bharatiya Bhasha Diwas.

All the Higher Educational Institutions and their affiliated colleges/institutions are requested to promote Indian Languages and celebrate the Bharatiya Bhasha Diwas (Bharatiya Bhasha Utsav) on **11th December** every year in a befitting manner.

With kind regards,

Yours sincerely,


(Rajnish Jain)

To
The Vice-Chancellors of all Universities
The Principals of all Colleges/Institutes

SSV
28/10

75
आजादी का
अमृत महोत्सव

भारतीय भाषा दिवस

(भारतीय भाषा उत्सव)

Bharatiya Bhasha Diwas

(Bharatiya Bhasha Utsav)

11 December

अवधारणा पत्र

A Concept Note

by

भारतीय भाषा समिति

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

Bharatiya Bhasha Samiti

(Ministry of Education, Govt. of India)

www.bharatiyabhasha.education.gov.in
bbs.karyakram@gmail.com

'A' Wing, 3rd Floor, Vishwakarma Bhawan
IIT-Delhi Campus, Gate No.4, Shaheed Jeet Singh Marg
Katwaria Sarai, New Delhi-110 016

भारतीय भाषा दिवस

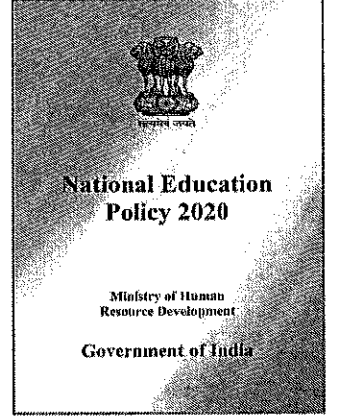
(भारतीय भाषा उत्सव)

11 दिसम्बर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में सुझाया गया है कि देश के छात्रों को 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पहल के अंतर्गत ग्रेड 6-8 में 'भारत की भाषाएं' (द लैंग्वेज ऑफ़ इंडिया) पर एक मजेदार परियोजना/गतिविधि में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। इस प्रकार की परियोजना/गतिविधि में, छात्रों को अधिकांशरूप से प्रमुख भारतीय भाषाओं की उल्लेखनीय एकता के बारे में जानने में मदद मिलेगी, जिसके अंतर्गत वे समान ध्वन्यात्मक और वैज्ञानिक रूप से व्यवस्थित वर्णमाला और लिपियों, उनकी सामान्य व्याकरणिक संरचनाओं, संस्कृत तथा अन्य शास्त्रीय भाषा से इनकी शब्दावली के स्रोत और उद्भव को ढूंढने से लेकर इन भाषाओं के समृद्ध अंतर-प्रभाव और अंतरों को समझ सकेंगे। छात्र विभिन्न क्षेत्रों में बोली जाने वाली भाषाओं, जनजातीय भाषाओं की प्रकृति और संरचना, भारत की हर प्रमुख भाषा में कुछ पदों व पंक्तियों तथा प्रत्येक के समृद्ध और उभरते साहित्य के बारे में भी सीख पाएंगे। इस प्रकार की गतिविधियां उन्हें भारत की एकता, सुंदर सांस्कृतिक विरासत तथा इसकी विविधता की भावना से ओतप्रोत करेगी और अपने पूरे जीवन भर वे भारत के अन्य हिस्सों के लोगों से मिलने-जुलने में सहज महसूस करेंगे अपनी मातृभाषा के साथ-साथ अधिक से अधिक भारतीय भाषाओं को सीखने के लिए अनुकूल वातावरण बनाने तथा 'पड़ोसी भाषा' के प्रति प्रेम और आनंद की अनुभूति के लिए 'भाषाई सौहार्द' विकसित करने की आवश्यकता है। किसी अन्य भारतीय भाषा को सीखना/बोलना एक फैशन/प्रतिष्ठा तथा आनंद का विषय बनना चाहिए।

इसी भावना को ध्यान में रखते हुए सुब्रमण्यम भारती के जन्म जयंती 11 दिसंबर को भारतीय भाषा दिवस के रूप में मनाया जाएगा। उस दिन 'भारतीय भाषा उत्सव' का आयोजन किया जाएगा जिसके निम्नलिखित उद्देश्य होंगे:

- छात्रों को भारतीय भाषाओं के बारे में जानकारी देना।
- लोगों को कुछ और भारतीय भाषाएं सीखने के लिए प्रोत्साहित करना।
- संस्कृति, कला आदि में विविधता का उत्सव मनाने के लिए और लोगों को भारतीय भाषाओं के माध्यम से राष्ट्रीय एकता, सद्भाव और अखंडता का अनुभव कराना।
- यह दिखाना कि भाषा सीखना कैसे एक मनोरंजक और आनंददायी अनुभव हो सकता है।
- राष्ट्र के विकास और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के लक्ष्य को साकार करने के लिए भारतीय भाषाओं की आवश्यकता को रेखांकित करना।



कहाँ और कौन:

- भारतीय भाषा उत्सव को विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में आयोजित किया जाएगा।
- ये संस्थान अपने पड़ोसी संस्थानों/महाविद्यालयों/विद्यालयों के छात्रों एवं उनके अभिभावकों को भी उत्सव में आमंत्रित कर सकते हैं।
- इसमें विभिन्न भाषा संघ, भाषा क्लब, सांस्कृतिक/कला/ साहित्यिक संस्थान भी शामिल हो सकते हैं।
- विभिन्न प्रकार के भाषाई अनुभव को उत्सव में शामिल करने के लिए पड़ोसी कस्बों/जिलों/राज्यों के लोगों या संस्थाओं को भी आमंत्रित किया जा सकता है।

क्या:

- विभिन्न भाषाओं में भाषण, गायन, लेखन आदि जैसी प्रतियोगिताएं।
- उन छात्रों का अभिनंदन जो बहुत सारी भाषाएं जानते हैं या जो प्रमुख भारतीय भाषाओं की लिपियों को पढ़ सकते हैं।
- विभिन्न भाषाओं में नाटक, कला प्रदर्शन, संगीत, भाषाई खेल आदि।
- विभिन्न भाषाओं को बोलने की आनंददायी अनुभूति कराने वाले स्टॉल/काउंटर/पटल।
- विभिन्न भाषाई क्षेत्रों से संबंधित फूड कार्नर।
- ऐसा पहनावों की प्रदर्शनी जो विभिन्न भाषाई समुदायों की सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- भारत की भाषाई विविधता/संपन्नता और "भविष्य के भारत"/ "एक भारत श्रेष्ठ भारत" के लिए भारतीय भाषाओं के महत्व को दर्शाती प्रदर्शनी।
- एक बहुभाषी समाज के संज्ञानात्मक, आर्थिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक लाभ को समझाने वाले प्रसंगों, और ऑनलाइन संसाधनों व गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रदान करना।
- एक प्रौद्योगिकी ज़ोन बनाना जो दर्शाए कि लोग नई तकनीकों के साथ भाषाएं कैसे सीख सकते हैं।

उत्सव के अपेक्षित परिणाम:

- यह लोगों में अपनी मातृभाषा पर महारत हासिल करने के साथ ही अन्य भारतीय भाषाओं को भी सीखने के प्रति उत्साह को गति देगा।
- यह व्यक्तियों तथा वृहत समाज में बड़े स्तर पर सांस्कृतिक जागरूकता और समावेशी चिंतन को बढ़ावा देगा।
- यह भारतीय भाषाओं में प्रौद्योगिकी के अनुकूलन को बढ़ावा देगा।
- जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में अधिक से अधिक भारतीय भाषाओं का उपयोग करने के शैक्षिक, सांस्कृतिक और आर्थिक लाभों का पता लगाएगा तथा इससे सम्बंधित विमर्शों को उभारेगा।

सुब्रमण्यम भारती के जन्म जयंती पर ही भारतीय भाषा उत्सव क्यों?

महाकवि सुब्रमण्यम भारती अपने समय में उत्तर और दक्षिण के बीच सेतु माने जाते थे। उनकी जयंती को भारतीय भाषा उत्सव दिवस के रूप में मनाना एक बार फिर राष्ट्रीय एकता को मजबूत करेगा।

सुब्रमण्यम भारती कौन थे?



चिन्नास्वामी सुब्रमण्यम भारती
(11 दिसंबर, 1882 - 12 सितंबर, 1921)

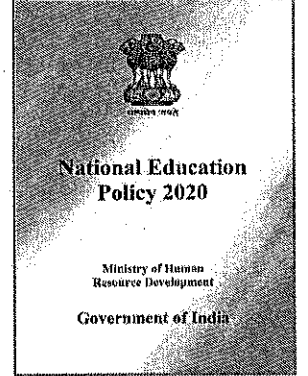
चिन्नास्वामी सुब्रमण्यम भारती एक सुप्रसिद्ध भारतीय लेखक, कवि और पत्रकार, भारतीय स्वतंत्रता सेनानी और तमिलनाडु के समाज सुधारक थे। "महाकवि भारती" के रूप में लोकप्रिय, वे आधुनिक तमिल कविता के अग्रदूत थे और उन्हें अब तक के सबसे महान तमिल साहित्यकारों में से एक माना जाता है। उनकी कई रचनाएं भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान देशभक्ति और राष्ट्रवाद को जगाने वाले ज्वलंत गीत थे। 1882 में तिरुनेलवेली जिले (वर्तमान थूथुकुडी) के एड्डायपुरम में जन्मे भारती की प्रारंभिक शिक्षा तिरुनेलवेली और वाराणसी में हुई और उन्होंने कई समाचार पत्रों में पत्रकार के रूप में काम किया। उनमें से 'स्वदेशमित्रन' और 'भारत' उल्लेखनीय समाचार पत्र थे। भारती भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सक्रिय सदस्य भी थे। 1908 में ब्रिटिश भारत सरकार द्वारा भारती के खिलाफ उनकी क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था, जिसके कारण उन्हें पुडुचेरी जाना पड़ा, जहां वे 1918 तक रहे। भारती द्वारा लिखित साहित्य का दायरा बहुत विस्तृत था जिसमें धार्मिक, राजनीतिक और सामाजिक पहलू शामिल थे। भारती द्वारा लिखे गए गीतों का व्यापक रूप से तमिल फिल्मों और संगीत समारोहों में उपयोग किया जाता है।

भारतीय भाषा दिवस

Bharatiya Bhasha Diwas (Bharatiya Bhasha Utsav)

11th December

As suggested by the National Education Policy-2020, students in the country will be encouraged to participate in a fun project/activity on 'The Languages of India', sometime in Grades 6-8, under the 'Ek Bharat Shrestha Bharat' initiative. This kind of project/activity will facilitate students learn about the unity of most of the major Indian languages, starting with their common phonetics and scripts, their common grammatical structures, their origins and sources of vocabularies from Sanskrit and other classical languages, as well as their rich inter-influences and differences. They will also learn about the languages spoken in different areas, the nature and structure of tribal languages, to say commonly spoken phrases and sentences in every major language of India, and also learn a bit about the rich literature of these languages. Such an activity would give them both a sense of the unity and the beautiful cultural heritage and diversity of India as they meet people from other parts of India.



There is a need to create 'language harmony', to develop conducive environment for learning more and more Indian languages apart from mastering one's own mother tongue, and an attitude and aptitude to love and enjoy the 'neighbouring language'. Learning/speaking another Indian language should be made a fashion/matter of prestige, a matter of joy and cherishing experience!

11th December, the Subramania Bharati Jayanti will be observed as Bharatiya Bhasha Diwas. A Language Festival in the name of 'Bharatiya Bhasha Utsav' will be celebrated on that day with the following objectives:

- To provide students with information about Indian languages.
- To encourage people to learn a few more Indian languages.
- To celebrate diversity in culture, arts, etc. and to make people experience the unity, harmony and integrity of the nation through languages.
- To show how language learning can be a fun and an enjoyable experience.
- To highlight the need to focus on Indian languages for the development of the nation and "Ek Bharat Shrestha Bharat".

Where and Who:

- The Bharatiya Bhasha Utsav will be held at Universities and Colleges.
- The Institutions may also invite students and their parents from different institutions/colleges/ schools in their neighbourhood.
- Different language associations, language clubs, cultural/art/literary institutions may also be involved.
- People/institutions from neighbouring towns/districts/states may also be invited to help provide different kinds of language experiences.

What:

- Competitions like speech, singing, writing, etc. in different languages.
- Felicitation of students who know more number of languages or who can read the scripts of major Indian languages.
- Language games, and music, drama, art performances etc. in different languages.
- Different counters/stalls providing taste of speaking different languages with conversational sentences.
- Food corners belonging to different language areas.
- People wearing dresses that represent cultural expressions of different linguistic communities.
- Exhibition depicting language diversity/wealth of India and the importance of Indian languages for the "Future India"/"Ek Bharat Shreshtha Bharat".
- Providing information about Online resources and activities, and events exploring the cognitive, economic, social and cultural benefits of a multilingual society.
- A technology zone exhibiting how people learn languages with new technologies.

Expected Outcome of the Festival:

- It will help build a growing momentum behind learning more Indian languages other than mastering one's own mother tongue.
- It would promote greater cultural awareness and inclusivity among individuals and wider society.
- It would give fillip to adaptation of technology to Indian languages.
- It would engender a debate and explore academic, cultural and economic benefits of using more and more Indian languages in all walks of life.

Why Bharatiya Bhasha Utsav on Subramania Bharati Jayanti?

Mahakavi Subramania Bharati in his time was considered to be the bridge between the North and the South. Observing his Jayanti as Bharatiya Bhasha Utsav day would once again strengthen the national unity.

Who was Subramania Bharati?



Chinnaswami Subramania Bharati

(11 December 1882 – 12 September 1921)

Chinnaswami Subramania Bharati was an Indian writer, poet and journalist, Indian independence activist and social reformer from Tamil Nadu. Popularly known as "Mahakavi Bharati", he was a pioneer of modern Tamil poetry and is considered one of the greatest Tamil literary figures of all time. His numerous works were fiery songs kindling patriotism and nationalism during the Indian Independence movement. Born in Ettayapuram of Tirunelveli district (present day Thoothukudi) in 1882, Bharati had his early education in Tirunelveli and Varanasi and worked as a journalist with many newspapers, notable among them being the Swadesamitran and India. Bharati was also an active member of the Indian National Congress. In 1908, an arrest warrant was issued against Bharati by the government of British India for his revolutionary activities, forcing him to go to Puducherry, where he lived until 1918. Bharati's works were on varied themes covering religious, political and social aspects. Songs penned by Bharati are widely used in Tamil films and music concerts.